अब हो राज्य में रोजगार पर फोकस : प्रो. भास्कर

एक साथ इतनी संख्या में केंद्रीय संस्थान अन्य राज्यों में नहीं

विशेष बातचीत

- चिकित्सा, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट क्षेत्र में लाभ भी दिखने लगे
- सीमेंट, कोल, स्टील उद्योग ने उत्तरोत्तर प्रगति हासिल की है
- डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में कार्य की जरूरत

■ मनोज मिश्रा । रायपुर.
www.navabharat.news

आईआईएम रायपुर के डायरेक्टर प्रो. भारत भास्कर का कहना है कि छत्तीसगढ़ बनने से लेकर अब तक राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है. आज छत्तीसगढ़ शिक्षा के क्षेत्र में शिखर पर है. वहीं इन वर्षों में सीमेंट, कोल, स्टील उद्योग ने उत्तरोत्तर प्रगति की है. स्कील्ड युवाओं के प्लेसमेंट की दृष्टि से अब जरूरत डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में कार्य की है. टेक्नोलॉजी हब और बड़ी कंपनियों का सेंट्रल वेयर हाउसिंग हब बनना होगा. इसी क्षेत्र में फ्यूचरिस्टिक एम्प्लायमेंट है. राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 'नवभारत' से चर्चा में आईआईएम के डायरेक्टर प्रो. भास्कर ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद यहां शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है. यहां पहले एकमात्र स्टेट यूनिवर्सिटी हुआ करती थी, राज्य बनने के बाद आईआईएम, एम्स, एचएनएलयू, आईआईटी, ट्रिपलआईटी, सेंट्रल युनिवर्सिटी जैसे केंद्रीय संस्थानों की स्थापना हुई. इनके कारण शिक्षा की गुणवत्ता में विकास हुआ है. ज्यादातर बड़े संस्थान 50 किमी के दायरे में ही स्थित है. इससे क्वॉलिटी ऑफ इंटेलेक्चुअल को बढ़ावा मिल रहा है. अब योग्य युवाओं को पढ़ाई के लिए बाहर नहीं जाना पड़ रहा.

हाईटेक्नोलॉजी उद्योग को बढ़ावा मिले

प्रो. भास्कर का कहना है कि राज्य बनने से यहां के प्राकृतिक संसाधनों का उचित उपयोग हुआ है. इसके परिणाम स्वरूप स्टील, सीमेंट, कोल उद्योग के क्षेत्र में भारी विकास देखने को मिला है. अब हाईटेक्नोलॉजी उद्योग को बढ़ावा देने की जरूरत है. यहां के स्किल्ड युवाओं को हाईटेक्नोलॉजी उद्योग से ही रोजगार मिलना संभव होगा.

पछाड़ना होगा हैदराबाद, नागपुर को

बड़ी कंपनियों के वेयर हाउसिंग स्टोर बनने के लिए रायपुर, नागपुर और हैदराबाद उपयुक्त जगह है. हैदराबाद और नागपुर अपनी पॉलिसियों के कारण आगे बढ़ रहे हैं. ऐसी कंपनियां को सप्लाई चेन की जरूरत पड़ती है ताकि वे आराम से अपने प्रोडक्ट को ग्राहकों तक पहुंचा सके. रायपुर आगे बढ़े इसके लिए राज्य सरकार को पॉलिसी बनानी चाहिए. छत्तीसगढ़ को टेक्नोलॉजी हब बनाने की जरूरत है ताकि जिससे हाईली स्किल्ड लोग रखने वाले यहां रुके.

सकारात्मक असर

केंद्रीय संस्थानों की स्थापना का सकारात्मक असर राज्य की संस्थानों पर पड़ रहा है. मेडिकल, मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग संस्थाएं अपनी गुणवत्ता में विकास के लिए प्रेरित हो रहे हैं.

Navbharat, 1st Nov. 2021,p. 4 (Rajdhani)